e-ISSN:2582-7219

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH IN SCIENCE, ENGINEERING AND TECHNOLOGY

Volume 5, Issue 10, October 2022

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 7.54

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.54|| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 5, Issue 10, October 2022 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2022.0510014 |

पुरानी दिल्ली का ऐतिहासिक पर्यटन

Dr. Bhavna Pareek

BND Govt. Arts College, Chimanpura, India

सार: दिल्ली, लाइफस्टाइल डेस्क। Old Delhi: त्योहारों का सीजन चल रहा है। इस सीजन में लोग वेकेशन पर जाना पसंद करते हैं। कुछ लोग दूर तो कुछ लोग पास में ही रहकर वेकेशन का आनंद उठाना चाहते हैं। अगर आप भी त्योहारों के सीजन में वन डे ट्रिप पर जाना चाहते हैं, तो दिल्ली की इन खूबसूरत जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। देश की राजधानी दिल्ली अपनी खूबसूरती के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। देश की राजधानी में कई प्रसिद्ध पर्यटन और धार्मिक स्थल हैं।

I. परिचय

आइए, पुरानी दिल्ली की खूबसूरत जगहों के बारे में विस्तार से जानते हैं-

चांदनी चौक

इतिहास के पन्नों को पलटने से पता चलता है कि यह चौक मुगल काल से ही बहुत प्रसिद्ध है। जामा मस्जिद के पीछे चांदनी चौक है। यह न केवल शॉपिंग के लिए बल्कि खाने पीने के लिए भी बेहद फेमस है। इसके लिए दिन की शुरुआत चांदनी चौक से करें और परांठे वाली गली में सुबह का नाश्ता कर सकते हैं।

लाल किला

परांठे वाली गली से 1 किलोमीटर दूर पर वास्तुकला का अनुपम उदाहरण लाल किला स्थित है। सुबह का समय लाल किला घूमने के लिए सबसे उत्तम माना जाता है क्योंकि सुबह के समय में भीड़ और गर्मी भी कम रहती है। इसके लिए सुबह के नाश्ते के बाद लाल किला घूमने जाएं।

जामा मस्जिद

लाल किला के पास में ही जामा मस्जिद स्थित है। इस्लाम धर्म के अनुयायियों के लिए यह सबसे पवित्र स्थल है। यहां से आप पुरानी दिल्ली का दीदार कर सकते हैं। इसके पास में मीना बाजार लगता है। जामा मस्जिद के आगे दरियागंज है। जहां दिल्ली का सबसे बड़ा किताब बाजार लगता है। रविवार के दिन बड़ी संख्या में लोग पुरानी दिल्ली घूमने आते हैं।[1,2]

करीम होटल

जामा मस्जिद के अपोजिट साइड में करीम होटल है। खानपान के लिए यह होटल बहुत प्रसिद्ध है। इस होटल में आप मुगलकालीन स्वादिष्ट व्यंजनों चिकन बिरयानी, हैदराबादी बिरयानी, कबाब, तंदूरी चिकन आदि का लुफ्त उठा सकते हैं।

शीश गंज साहिब गुरुद्वारा

अगर आप नॉन वेज खाना पसंद नहीं करते हैं, तो जामा मस्जिद के बाद शीश गंज साहिब गुरुद्वारा जा सकते हैं। शीश गंज साहिब में रोजाना लंगर की व्यवस्था की जाती है। आप वहां प्रसाद ग्रहण कर सकते हैं। शीश गंज साहिब गुरुद्वारा दिल्ली के प्रमुख गुरुद्वारों में से एक है।

जैन मंदिर

लाल किला के सामने लाल मंदिर स्थित है। यह मंदिर देश वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर में श्री दिगंबर जैन की प्रतिमा है। बड़ी संख्या में जैन धर्म के अनुयायी लाल मंदिर में देव दर्शन हेतु आते हैं। आप भी देव दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.54|| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 5, Issue 10, October 2022 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2022.0510014 |

पुरानी दिल्ली, भारत की राजधानी दिल्ली का ऐतिहासिक दिल है. यह न सिर्फ अपनी लाल किला, जामा मस्जिद और चांदनी चौक जैसी ऐतिहासिक इमारतों और जीवंत बाजारों के लिए मशहूर है, बल्कि यह खाने-पीने के शौकीनों के लिए भी एक स्वर्ग है. तो आइये आज हम आपको पुरानी दिल्ली के खासियत से रूबरू कराते हैं.

खाने-पीने के लिए मशहूर जगहों में से एक पुरानी दिल्ली में एंट्री करते ही खाने की खुशबू आने लगती है.
यहां मिलेगा मुगलई खाने का स्वाद[2,3]

यहां आपको मुग़लई खाने के स्वादिष्ट व्यंजन मिल जाएंगे, जिनमें बिरयानी, कबाब, निहारी, रोगन जोश, और कूर्मा शामिल हैं. इन व्यंजनों को बनाने में ताज़ी सामग्री और पारंपरिक मसालों का इस्तेमाल किया जाता है, जो इनके स्वाद को और भी बढ़ा देते हैं. यहां आपको कई वर्ष पुराने हलवाई मिल जाएंगे जो उस व्यंजन को बनाने में माहिर होते हैं.

II. विचार-विमर्श

दिल्ली के समृद्ध इतिहास इसके शानदार स्मारकों से प्रत्यक्ष दिखाई देता है। पुरानी दिल्ली में शिल्पकला के महान आश्चर्य हैं, जिनमें से तीन को विश्व विरासत का दर्ज़ा दिया गया है- कुतुब मीनार, हुमायूं का मकबरा और लाल किला (रेड फोर्ट)। हुमायूं का मकबरा और 72.5 मी. ऊंची कुतुब मीनार दिल्ली में शिल्पकला के महान उदाहरण हैं। महान मुगल बादशाह शाहजहां द्वारा निर्मित लाल किला 2.4 कि.मी. क्षेत्र में बना है तथा लाल पत्थर से निर्मित है। शाहजहां द्वारा निर्मित जामा मस्जिद भी दिल्ली को दिया गया एक अन्य शानदार तोहफा है। अक्षरधाम मंदिर और बहाई मंदिर (लोटस टैम्पल) को देखने प्रतिदिन हजारों यात्री आते हैं। दिल्ली के विभिन्न स्मारक ब्रिटिश काल की उपनिवेशीय शिल्पकला को प्रदर्शित करते हैं। इनमें कुछ उल्लेखनीय भवन हैं - राष्ट्रपति भवन, सचिवालय भवन, राजपथ और भारत का संसद भवन। अन्य प्रसिद्ध स्मारकों में भारत का युद्ध स्मारक इंडिया गेट, 18वीं सदी की वेधशाला, जंतर मंतर और 5वीं शताब्दी ई.पू. का किला, पुराना किला है।

पुरानी दिल्ली मुगल क्षेत्र के स्मारकों से भरी हुई है जबकि नई दिल्ली में आधुनिक वास्तुकला है और यह मॉल और आवासीय भवनों से भरी हुई है। दिल्ली का संक्षिप्त इतिहास आपको दिखाएगा कि इसमें बहुत कुछ है। यहाँशहर में ऐतिहासिक महत्व वाले शीर्ष स्थान दिए गए हैं।[3,4]

1) लाल किला

लाल किला

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.54|| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 5, Issue 10, October 2022 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2022.0510014 |

लाल किला शायद दिल्ली का सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल है । लाल किला मुगल काल की याद दिलाता है जिसने कई वर्षों तक भारत पर शासन किया। किले का निर्माण वर्ष 1638 में किया गया था और इसका एक अनूठा डिज़ाइन है जो देखने में बहुत ही आकर्षक है। किले की वास्तुकला हमें दिल्ली के समृद्ध अतीत की झलक दिखाती है और मुगलों की प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। आगंतुकों को पिछले वर्ष की विरासत से परिचित कराने के लिए, हर शाम एक लाइट एंड साउंड शो आयोजित किया जाता है।

2) जामा मस्जिद

जामा मस्जिद

मस्जिद चांदनी चौक के बगल में स्थित है और दिल्ली का एक और खजाना है। यह भारत की सबसे बड़ी मस्जिद है और इसका एक बड़ा प्रांगण है जिसमें एक साथ 25,000 लोग बैठ सकते हैं। मस्जिद का निर्माण वर्ष 1650 में पूरा हुआ था और इसे बनाने में 13 साल लगे थे। मस्जिद का डिज़ाइन बहुत ही अलग है जो देखने में बहुत ही मनभावन है। दक्षिणी तरफ स्थित टॉवर से आप शहर का शानदार नज़ारा देख सकते हैं। मस्जिद में उचित पोशाक पहनना अनिवार्य है और आपको ऐसा परिधान पहनना होगा जो आपको सिर से लेकर पैरों तक ढँके। मस्जिद दोपहर 12:15 बजे से दोपहर 1:45 बजे तक नमाज़ के लिए खुली रहती है।[4,5]

3) हुमायूं का मकबरा

हुमायूं का मकबरा अद्भुत मुगल निर्माण का एक आदर्श उदाहरण है। यह मकबरा ताजमहल से प्रेरित है और वर्ष 1570 में बनाया गया था और यह दिल्ली का एक बहुत लोकप्रिय पर्यटन स्थल है । इस स्मारक में दूसरे मुगल सम्राट हुमायूं का शव रखा गया है। यह मकबरा भारत में मुगल वास्तुकला की पहली पूर्ण संरचना थी और उस युग के शानदार वास्तुकारों की प्रतिभा को दर्शाता है। मकबरे के पास एक सुंदर बगीचा बना हुआ है जो इस जगह की खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.54|| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 5, Issue 10, October 2022 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2022.0510014 |

4)इंडिया गेट

इंडिया गेट

शहर के केंद्र में स्थित, इंडिया गेट एक स्मारक है जो देश के लिए लड़ते हुए अपनी जान गंवाने वाले भारतीय सैनिकों की कठिनाइयों को सलाम करता है। स्मारक मूल रूप से प्रथम विश्व युद्ध में लड़ने वाले और सभी बाधाओं के बावजूद डटे रहने वाले सैनिकों के लिए बनाया गया था। इंडिया गेट पर जाना आपको गर्व और देशभक्ति की भावना से भर देगा।

5) कुतुब मीनार

कुतुब मीनार

कुतुब मीनार दुनिया की सबसे ऊंची ईंटों से बनी मीनार है और यह इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का एक आदर्श उदाहरण है। वर्ष 1206 में निर्मित, और इसके निर्माण का कारण अज्ञात है। स्टोर में पाँच मंजिलें हैं और इसमें महान कुरान की नक्काशी है जो स्मारक की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ाती है। मीनार पर्यटकों के लिए एक ज़रूरी जगह है जो यह सुनिश्चित कर सकती है कि आपको शहर का सबसे अच्छा अनुभव मिले क्योंकि कुतुब मीनार दिल्ली के ऐतिहासिक स्थानों में से एक है

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.54|| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 5, Issue 10, October 2022 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2022.0510014 |

6)लोदी मकबरा

लोदी मकबरा

सिकंदर लोदी का मकबरा दिल्ली के लोधी गार्डन में स्थित है और इसका निर्माण 1517-1518 ई. में हुआ था। यह स्मारक खैरुर गांव में स्थित बड़ा गुंबद से 100 मीटर की दूरी पर है। मकबरे का निर्माण पूरी तरह से अष्टकोणीय डिजाइन के साथ इंडो-इस्लामिक शैली पर आधारित है। मुख्य आकर्षण मकबरे की दीवारों पर मुगल स्थापत्य डिजाइन और कई विदेशी भाषाओं का एन्क्रिप्शन है।

III. परिणाम

आपको लाल किला, हुमायूं का मकबरा, जंतर मंतर, लोटस टेंपल, बिड़ला मंदिर और ऐसी कई खूबसूरत संरचनाओं के बारे में जानकारी मिल जाएगी। ऐसा ही तब होता है जब कोई दिल्ली में घूमने की जगहों या दिल्ली में करने वाली चीजों के बारे में ऑनलाइन खोज करता है। दिल्ली की गलियों में देखने लायक असामान्य चीजें शहर के शहरी परिदृश्य में कैफे, क्लब, कला दीर्घाओं, मॉल और फैशन सड़कों से ढकी हुई हैं। पुराने समय की उन गलियों में कम ज्ञात चीजें और छिपी हुई विरासत संरचनाएं दिल्ली के बारे में कई रोचक तथ्य बताती हैं, जो कि अधिकांश भारत यात्रा गाइडों में गायब हैं। इंडियन ईगल आपको शहर की छिपी हुई विरासत को दिखाने के लिए पुरानी दिल्ली की गलियों की खोज करता है , जो विदेशी पर्यटकों को प्रभावित करने में कभी विफल नहीं होती है।
खूनी दरवाज़ा: दिल्ली में खून-खराबे का गवाह

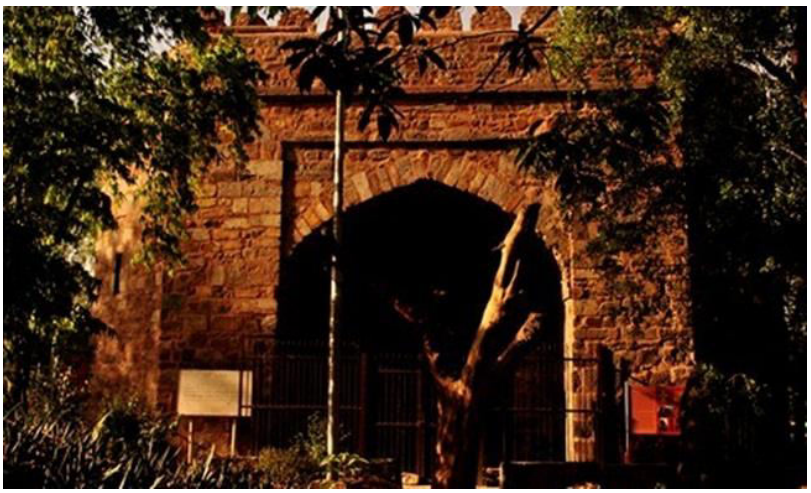

खूनी दरवाज़े से जुड़ी रक्तपात की भयावह कहानियों को जानना दिल्ली में की जाने वाली असामान्य चीज़ों में से एक है। पुरानी दिल्ली के 13 ऐतिहासिक दरवाज़ों में से एक, इसे शेर शाह सूरी के शासनकाल में बनाया गया था और उस समय की मुगल वास्तुकला के अनुसार इसकी संरचना की गई थी। पुरानी दिल्ली के अनोखे स्थानों में से एक , विरासत के इस टुकड़े की प्रसिद्धि के लिए कई मिथक और वास्तविक कहानियाँ हैं। ऐसा कहा जाता है कि शेर शाह सूरी मारे गए अपराधियों के सिर को दरवाज़े के मेहराब से

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.54|| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 5, Issue 10, October 2022 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2022.0510014 |

लटका देते थे। माना जाता है कि खूनी दरवाज़ा वह स्थान है जहाँ अकबर के दरबार के नौ रत्नों में से एक रहीम-ए-खाना के दो बेटों की जहाँगीर के आदेश पर हत्या कर दी गई थी क्योंकि वे जहाँगीर के सम्राट के रूप में राज्याभिषेक से खुश नहीं थे। खूनी दरवाज़ा नादिर शाह के दिल्ली पर आक्रमण के कारण हुए रक्तपात का गवाह है। बहादुर शाह ज़फ़र के तीन बेटों, तीन मुगल राजकुमारों की भयावह कहानी, जिन्हें 1857 के विद्रोह के दौरान ब्रिटिश मेजर हडसन के आदेश पर गोली मार दी गई थी, इस दिल्ली स्मारक का एक अप्रिय विवरण है। दिल्ली के खूनी दरवाज़े ने 1947 में भारत के विभाजन के दौरान भी रक्तपात देखा था।[5,6]

अधम खान का मकबरा: एक जटिल भूलभुलैया

दिल्ली के बारे में कुछ आश्चर्यजनक तथ्य अधम खान के मकबरे के भूलभुलैया गलियारों में दफन हैं, जो भारत में छिपे हुए स्मारकों में से एक है। लोधी वास्तुकला का एक कालातीत चमत्कार, मकबरे को इसकी जटिल संरचना के कारण भूलभुलैया (भूलभुलैया) उपनाम दिया गया है। 1562 ईस्वी में निर्मित, मकबरे को अधम खान और उनकी मां माहम अंगा को समर्पित किया गया था, जो सम्राट अकबर की मंत्री होने के साथ-साथ गीली नर्स भी थीं। महाम अंगा, न केवल मुगल दरबार में बल्कि अकबर के जीवन में भी एक प्रभावशाली व्यक्ति थीं, अपने बेटे को आगरा किले के दरबार के एक प्रमुख सलाहकार अतागा खान की हत्या के जघन्य कृत्य के लिए मौत की सजा मिलने के बाद मानसिक रूप से टूट गईं। हालांकि अधम खान का मकबरा दिल्ली के कम प्रसिद्ध आकर्षणों में सूचीबद्ध है, यह एक यात्रा अवश्य है। एक किंवदंती है कि एक बार एक दूल्हे की पार्टी ने विवाह स्थल के रास्ते में मकबरे में शरण ली और रात में खो गई।

चोर मीनार: सिर काटने की मीनार

भारत के बारे में कुछ अज्ञात तथ्य सिर काटने की मीनार के छिद्रों में छिपे हैं, जिसे स्थानीय रूप से दिल्ली में चोर मीनार के रूप में जाना जाता है। चोरों के कटे हुए सिर मीनार के छिद्रों से लटके रहते थे, जो 'महत्वाकांक्षी लुटेरों' को सबक देते थे। दिल्ली के सभी आकर्षणों में से, चोर मीनार को अक्सर इसके छिद्रों के कारण एक वास्तुशिल्प आश्चर्य के रूप में गलत समझा जाता है। ये छिद्र दिल्ली के क्रूर सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी के शासन में कटे हुए मानव शरीर के सिरों वाले भालों को सहारा देने के लिए बनाए गए थे, जो चित्तौड़गढ़ में मेवाड़ की रानी पद्मिनी की मौत के लिए जिम्मेदार था । ऐसी क्रूरता मंगोलों से निपटने का उसका तरीका था, जो दिल्ली सल्तनत के लिए एक संभावित खतरा थे। चोर मीनार दिल्ली के हौज खास में स्थित है।

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.54|| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 5, Issue 10, October 2022 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2022.0510014 |

हज़रत निज़ामुद्दीन दरगाह: एक सूफ़ी संगीत केंद्र

हजरत निजामुद्दीन दरगाह की यात्रा के बिना पुरानी दिल्ली का आपका अनुभव अधूरा रहेगा। यह मकबरा प्रसिद्ध चिश्ती संत निजामुद्दीन औलिया को समर्पित है। इसमें अमीर खुसरू, मिर्जा गालिब और शाहजहाँ की बेटी जहाँआरा की कब्रें भी हैं। हालांकि एक हलचल भरे इलाके में स्थित, पुरानी दिल्ली में हजरत निजामुद्दीन दरगाह गुरुवार की शाम को संगीतमय माहौल वाली एक शांत जगह है। दरगाह परिसर के अंदर पुरुषों और महिलाओं दोनों को अपने सिर ढकना आवश्यक है। महिलाओं को उस स्थान में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है जहां निजामुद्दीन का मकबरा है। संत हजरत निजामुद्दीन औलिया और कवि अमीर खुसरो की पुण्यतिथि अप्रैल और अक्टूबर में 'उर्स' उत्सव के माध्यम से मनाई जाती है। दरगाह में सूफी संगीत सुनना दिल्ली में दिलचस्प चीजों में से एक है।

मिर्ज़ा ग़ालिब की हवेली: चंडी चौक में ग़ज़लें

पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक की एक संकरी गली में स्थित, मिर्ज़ा ग़ालिब की हवेली, मिर्ज़ा असदुल्लाह बेग का निवास स्थान था, जो उर्दू और फ़ारसी के एक प्रसिद्ध कवि थे, जो ग़ालिब और असद जैसे उपनामों से ग़ज़लें (कविता) लिखते थे। पुरानी दिल्ली की धड़कनें हवेली के सन्नाटे में महसूस की जाती हैं, जहाँ मिर्ज़ा ग़ालिब ने 1869 में अपनी अंतिम साँस ली थी। ब्रिटिश भारत के प्रख्यात कवियों में से एक, उनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने एक दुखद जीवन जिया, जिसने उनकी अधिकांश उदासी भरी कविताओं और गीतों को जन्म दिया। वह अपने समय के मुगल दरबार में 'लेडीज़ मैन' के रूप में बदनाम थे, लेकिन इस तरह की अपमानजनक टिप्पणियों ने उन्हें कभी नाराज़ नहीं किया। चांदनी चौक में मिर्ज़ा ग़ालिब की हवेली के अंदर कुछ दुकानें थीं, जब तक कि 1999 में इमारत का जीर्णोद्धार नहीं किया गया और इसे अपने पुराने विश्व आकर्षण में बहाल नहीं कर दिया गया। बलुआ पत्थर की ईंटों और

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.54|| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 5, Issue 10, October 2022 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2022.0510014 |

लकड़ी के प्रवेश द्वार के साथ इसे नया जीवन मिला। पुरानी दिल्ली के कम प्रसिद्ध आकर्षणों में से इस स्थान की यात्रा करना दिल्ली में करने योग्य गतिविधियों में से एक है।

मंजू का टीला: दिल्ली में छोटा तिब्बत[6,7]

मंजू का टीला दिल्ली में घूमने के लिए सबसे ज़्यादा अनदेखी की जाने वाली जगहों में से एक है। मिनी तिब्बत के नाम से मशहूर यह छोटी सी तिब्बती बस्ती 1960 के आसपास अस्तित्व में आई, जब कुछ तिब्बती शरणार्थी भारत में दाखिल हुए और दलाई लामा के धर्मशाला में निर्वासित होने के बाद दिल्ली में शरण ली। मंजू का टीला बाज़ार तिब्बती स्ट्रीट फ़ूड के लिए छात्रों और पर्यटकों के बीच समान रूप से लोकप्रिय है। पहले तिब्बती बसने वालों की दूसरी पीढ़ी वर्तमान में मंजू का टीला कॉलोनी में रहती है, जहाँ सड़क किनारे स्टॉल पर सस्ते जंक ज्वेलरी और कपड़े मिलते हैं। तिब्बती जीवन और संस्कृति के कुछ पहलू दिल्लीवासियों के दैनिक जीवन में शामिल हो गए हैं। मोमो, थुकपा, टिंगमो और फ़िंग शा जैसे कुछ तिब्बती व्यंजन दिल्ली के लोकप्रिय स्ट्रीट फ़ूड में शामिल हो गए हैं । मंजू का टीला कॉलोनी में पोटाला हाउस, टी डी और कॉफ़ी हाउस तिब्बती खाने के शौकीनों के लिए सबसे ज़्यादा पसंद किए जाने वाले ठिकाने हैं। यहाँ तिब्बती फ़िल्मों और गानों की सीडी कैसेट भी मिलती हैं।
दिल्ली एक निरंतर विकसित होने वाला महानगरीय शहर है। अगर पुरानी दिल्ली ऑफबीट यात्रा के लिए जगह है, तो नई दिल्ली व्यावसायिक यात्रा के लिए उपयुक्त है।

IV. निष्कर्ष

पुरानी दिल्ली (उर्दू: پُرانی دہلی या قدیم دہلی) मुग़ल बादशाह शाह जहाँ द्वारा १९६३ में बसाया गया एवं सुरक्षा दीवारों से परिबद्ध शाहजहानाबाद नामक क्षेत्र है। यह क्षेत्र मुग़ल साम्राज्य के पतन तक मुग़लों की राजधानी रहा।[1][2] जब उस समय के मुगल बादशाह शाहजहाँ ने आगरा से मुग़ल राजधानी को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया था। [3] शहर का निर्माण 1648 में पूरा हुआ, और यह 1857 में गिरने तक मुगल साम्राज्य की राजधानी बना रहा, [3][4][5] जब ब्रिटिश राज ने भारत में एक सर्वोपरि सत्ता संभाली। यह एक बार सुरुचिपूर्ण मस्जिदों और उद्यानों के साथ रईसों और शाही दरबार के सदस्यों की हवेली से भरा हुआ था। आज, अत्यधिक भीड़ और जलमग्न होने के बावजूद, यह अभी भी महानगरीय दिल्ली के प्रतीकात्मक हृदय के रूप में कार्य करता है। केवल कुछ हवेलियाँ बची और बनी हुई हैं।
दिल्ली नगर निगम के 2012 के विभाजन के बाद, पुरानी दिल्ली उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा प्रशासित हो गई। [7]

संदर्भ

1. आर नाथ (2006). History of Mughal Architecture [मुगल वास्तुकला का इतिहास]. अभिनव पब्लिकेशन.
2. ↑ विलियम विलियम डेलरिम्पल, ओलिविया फ्रेजर (1993). City of Djinns: A Year in Delhi [जीन्नों का नगर: दिल्ली में एक वर्ष]. हार्पर कॉलिन्स इण्डिया.

| ISSN: 2582-7219 | www.ijmrset.com | Impact Factor: 7.54|| Monthly, Peer Reviewed & Referred Journal |

| Volume 5, Issue 10, October 2022 |

| DOI:10.15680/IJMRSET.2022.0510014 |

3. ↑ Spear, Percival (2012). "Delhi: A Historical Sketch - The Mogul Empire". The Delhi Omnibus. New Delhi: Oxford University Press. पृ॰ 26. आई॰ऍस॰बी॰ऍन॰ 9780195659832.
4. ↑ History of Mughal Architecture By R. Nath, Abhinav Publications, 2006
5. ↑ City of Djinns: A Year in Delhi By William Dalrymple, Olivia Fraser, HarperCollins, 1993
6. ↑ Kavitha, Rao (8 October 2012). "Tragic chapter in an Old Delhi library's history". The National (अंग्रेज़ी में). मूल से 15 फ़रवरी 2018 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 13 अक्तूबर 2019.
7. ↑ "Remove overhead wires in old Delhi: North body". The Indian Express. 13 December 2017. मूल से 11 अक्तूबर 2019 को पुरालेखित. अभिगमन तिथि 13 अक्तूबर 2019.

INNO SPACE

SJIF Scientific Journal Impact Factor

Impact Factor

7.54

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

निस्केयर NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH

IN SCIENCE, ENGINEERING AND TECHNOLOGY

| Mobile No: +91-6381907438 | Whatsapp: +91-6381907438 | ijmrset@gmail.com |

www.ijmrset.com